कार्या० में प्राप्ति का दिनांक
6/3/10

प्रपत्र

दिनांक 31.03.2010 को शासकीय अचल संपत्ति का विवरण

1. कर्मचारी का पूरा नाम, जिसके पास हो भागचन्द्र जैन
2. पदनाम शासकीय पद सहायक श्रेणी
3. प्रथम नियुक्ति का समय एवं पदनाम अनुकम्पा 280-3.2 4. प्रथम नियुक्ति का स्थान एवं दिनांक सागर 22/06/73
5. वर्तमान पद का कुल वेतन रु. 3551/-

नाम जिले, उपसंभाग, तहसील तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का भाग तथा ब्यौरा		संपत्ति अर्जित करने का दिनांक व उसका उस समय मूल्य	वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बताईये कि इस किसके नाम पर स्थापित है और उसका क्या नाता है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है।	यदि किसी प्रकार अर्जित किया गया हो, जैसे दान, पैतृक, भेंट या अन्य किसी प्रकार से अर्जित हो तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	यदि विभाग से भेंट में नहीं है तो शासन की सूचना देने / अनुमति प्राप्त करने का दिनांक	यदि विभाग से भेंट में नहीं है तो उसके लिये लगाये गये वित्तीय साधनों का पूर्ण विवरण (जिसके नगद रूप में भेंट की है उसका पूरा पता दिया जावे)	यदि संपत्ति में कोई सुधार / विस्तार किया गया है तो उसकी, उसकी लागत एवं वित्तीय साधनों का विवरण	यदि सुधार / विस्तार के लिये कर्ज लिया गया हो तो उसका ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	यदि संपत्ति को लेकर वह अलगाववादी किया गया है तो उसका पूर्ण विवरण	अनुतोष
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि (आवासीय प्लाट एवं कृषि भूमि)											
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
(1) जिला सागर राजपुरा वार्ड	आवासीय भवन 600 वर्ग फुट	—	10/06/1988 रु. 90,000=00 (नब्बे हजार)	रु. 00 लाख	स्वयं एवं पत्नी के नाम	श्री दयाचन्द पुत्र श्री काशीराम जैन एवं श्रीमती चन्द्रा पत्नी श्री भागचन्द जैन राजपुरा वार्ड सागर से मकान खरीदा	214 दिनांक 13/07/1988 श्री कलेक्टर सागर 214/अ/ अ.अ./ 0/ 88 अनुमति ली	पैतृक सम्पत्ति एवं भविष्य निधि जमा	सन् 1994 में तीन कमरों का निर्माण पैतृक सम्पत्ति एवं भविष्य निधि जमा रु. 80,000=00 (अस्सी हजार रुपये)	—	—	—	—
(2) जिला सागर मकरोनिया	—	आवासीय प्लाट 19x50= 950 वर्गफुट	23/01/2010 रु. 1,51,100=00 (एक लाख इक्यावन हजार एक सौ)	1.60 लाख	श्रीमती सरला जैन (पत्नी)	श्रीमति इन्दुबाला जैन धर्मपत्नी संजय जैन नि- सागर अपार्टमेन्ट, नियर राजारानी शृंगार दिल्ली दरवाजा सागर	—	भविष्य निधि एरियर्स एवं लोन	—	—	—	—	

1. ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के संदर्भ में उसका मूल्य बतलाया जाए।
2. इसमें अलंकारीक पट्टे भी शामिल हैं।

भागचन्द्र जैन
सहायक श्रेणी
जोड़ स्वास्थ्य सांख्यिकी विभाग
परियोजना उपसंचालक के।
सागर